

कोई चीज बाहर हो रही है तो उस से मुझे कोई सम्बन्ध नहीं है ।

श्री राम सेवक यादव ने रूल २२४ कोट किया है । उस में यह साफ है :

"The matter requires the inter-vention of the House."

अगर प्राइम मिनिस्टर ऐसा करते हैं तो उस में हाउस किसी वक्त भी इंटरवेंशन नहीं कर सकता । कर्टसी की बात दूसरी है । जिस वक्त हाउस बैठा हो तो कर्टसी के तौर पर प्राइम मिनिस्टर साहब उस को बतलाएं । लेकिन यह उन की मर्जी की बात है । लेकिन इस वक्त तो यह सवाल भी पैदा नहीं होता । इसलिए यह जो मोशन लाया गया है ब्रीच आफ प्रिविलेज का इस को कंसेंट देने से इसी वास्ते मैंने इन्कार कर दिया ।

**Shri Hari Vishnu Kamath:** I seek clarification of your ruling. You were pleased to observe that the Prime Minister has got the right of power under the Constitution to appoint the Council of Ministers and also dismiss them or remove any Minister. I believe that it is the President who has to do that under the Constitution. It is, therefore, right for the Prime Minister to announce in public that he has accepted the resignation, before the President has accepted the resignation submitted.

**Mr. Speaker:** That is a different thing altogether.

**अध्यक्ष महोदय :** मैंने कहा था कि वह सिफारिश करें और अगर मेरे अल्फाज से यह पाया जाता है कि सिफारिश के बारे में मैंने नहीं कहा, तो यह मेरी गलती है, और मैं उस को माडीफाई करता हूँ ।

**Shri Nath Pai:** Sir, I am not pursuing it. Arising out of it, the daily Press is full of rumours about resignations. May we know if there is any.... (Interruptions.)

**Mr. Speaker:** Order, order.

**श्री त्यागी :** मैं एक क्लेरीफिकेशन चाहता हूँ । मेरे अर्ज करने का मंशा यह है कि रेजिगनेशन का मामला जिस पर मे दोस्त ऐतराज कर रहे हैं, वह कायदे से अभी हमारे सामने आया नहीं है ।

**अध्यक्ष महोदय :** जो इनफारमेशन मैं उन को नहीं देना चाहता वह आप उन को दे रहे हैं ।

**श्री त्यागी :** मैं दूसरी बात अर्ज करना चाहता हूँ । यह प्रिविलेज का सवाल है । हर पार्टी के अन्दर जो भी लीडर होगा उस पार्टी का उस की मेम्बरशिप होगी, वहां वह . . . .

**अध्यक्ष महोदय :** आर्डर, आर्डर : मेरा उस से कोई सम्बन्ध नहीं है ।

क्या श्री एस० एम० बनर्जी प्राइम मिनिस्टर के कल के बयान के बारे में कोई सवाल करना चाहते हैं ?

**श्री स० मो० बनर्जी (कानपुर) :** बाहर जो सरकार के बारे में अफवाह फैल रही है क्या मैं उस के बारे में सवाल कर सकता हूँ . . . .

**अध्यक्ष महोदय :** सवालात तो बेशक कर सकते हैं । मैं तो इस वक्त ब्रीच आफ प्रिविलेज के मोशन पर फंसला दे रहा हूँ । मैं किसी हाइपॉथेटिकल सवाल का जवाब नहीं देना चाहता । कल जो प्राइम मिनिस्टर साहब का बयान हुआ है उस के बारे में अगर वह सवाल करना चाहें तो कर सकते हैं ।

12.18 hrs.

RE. HOISTING OF PAKISTANI  
 FLAG AT LATITILLA

**Shri S. M. Banerjee:** I shall ask a question.

**Mr. Speaker:** He may put it.

**Shri S. M. Banerjee:** It is stated in yesterday's statement that this particular area where the Pakistanis had hoisted their flag on the 14th is considered disputed area by our Government. On what basis is this area considered to be disputed area? Is this the reason why Pakistanis hoist their flag there and if so, is the Government likely to change their position after these repeated intrusions? Knowing full well it is we who have declared it as a disputed area.

**Thee Prime Minister, Minister of External Affairs and Minister of Atomic Energy (Shri Jawaharlal Nehru):** It is disputed area. It is a question of interpretation of the old Radcliffe's award. In that Award there is a discrepancy between the written word and the map attached to it. According to the map this village fell on the Pakistan side but according to the description attached to the map, the area fell on the Indian side. Now, the rule for interpretation of these things was laid down by Mr. Radcliffe himself: where there is a discrepancy, the written word should count far more than the line on the map. Anyhow, there is a line on the map and therefore, Pakistan has been claiming this for sometime. The matter was being considered when the process of demarcation came: the process of demarcation has not taken place in this area. We try to expedite its process so that the matter might be settled this way or that way. But somehow it is being delayed. Even now we have asked them to expedite it and meanwhile as I stated yesterday, that the existing condition should remain, that is, the *status quo* according to which we are there.

**Shri S. M. Banerjee:** Have they agreed to maintain the *status quo*?

**Shri Jawaharlal Nehru:** Pakistani authorities sometimes ago repeatedly agreed to that but the local authorities, inspite of that agreement, have infringed it: their people have inter-

fered with our people working in the fields, etc. We have again asked them to expedite this demarcation so that this matter might be settled this way or that way.

**Shri Hari Vishnu Kamath (Hoshangabad):** Has the attention of the Prime Minister been drawn to certain allegations made in the Assam Legislative Assembly to the effect that one of the persons who hoisted one of the Pakistani flags there were fifteen small flags according to the Prime Minister's statement is a Congressman who had earlier harboured Pakistani army personnel in that area and are there reasons to believe that the Government's somewhat weak-kneed invertebrate policy towards Pakistan infiltrators into Assam is inciting anti national miscreants to run riot with impunity?

**Shri Jawaharlal Nehru:** No, Sir: I have not seen this extra-ordinary statement to which the hon. Member refers. But such information as we have is that these small flags were secretly put up by the people who came from Pakistan that morning; they put them up and rather compelled a few other people to put them up.

**Shri Hari Vishnu Kamath:** That information is in papers. I will pass it on.

श्री रामेश्वरानन्द (करनाल) : अध्यक्ष महोदय, विषयान्तर ।

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये ।

श्री रामेश्वरानन्द : यह दूसरा प्रश्न है ।

अध्यक्ष महोदय : अभी पहला तो खत्म हो लेने दीजिये ।

**Shri Swell (Assam—Autonomous Districts):** There are a number of rather significant portions in the state-

ment of the Prime Minister. For instance, it is stated that when the Assam Police went to that territory they were threatened with East Pakistan Rifles and they could not make any arrests. Then it is also stated that when the East Pakistan Rifles fired at our personnel our personnel did not return the fire. It is also stated that as a result of all these incidents the Government has instructed the Government of Assam to give armed protection to the people in the border areas there. Does it mean that so long the entire border was left free without any armed protection whatsoever?

**Shri Jawaharlal Nehru:** It does not mean what the hon. Member suggests. But it is one thing to give general protection by giving armed police, etc. It is another thing to take steps which may lead to the situation becoming worse. Then it ceases to be a question of a few armed policemen but taking steps on a much larger scale.

**Shri Daji (Indore):** The first incident was on the 14th and the second on the 19th, within five days. It means that during the period of five days we could not sufficiently patrol the area. Is the Government in a position to inform the House as to the steps taken? Do we expect such incidents in that particular area will not be repeated? Are we adequately prepared, at least as adequately as the Pakistani men?

**Shri Jawaharlal Nehru:** I cannot give a precise answer to that question. We are giving such protection as we can short of moving large armies there and we think that this kind of petty incidents will go on recurring till the matter is finally settled. Therefore, we are concentrating on the dispute being settled by demarcation as quickly as possible.

**श्री रामेश्वरानन्द :** अध्यक्ष महोदय, विषयान्तर । मेरा उस से सम्बन्ध नहीं है । मैं दूसरी बात कह रहा हूँ ।

**अध्यक्ष महोदय :** एक बात खत्म हुई है । अब दूसरी बात अगर आप क ना चा ते हैं तो इस के लिए प ले से मुझे आप इतिला दीजिये । इस तर से बगर नोटिस के एक दम से खड़े हो कर कोई भी बात क ना उचित नहीं है ।

**श्री रामेश्वरानन्द :** मैं इस की कई बार इतिला दे चुका हूँ । पहले जो इतिलाएं दी जाती हैं वह पता नहीं कहां जाती हैं । कई बार अध्यक्ष महोदय, म आप के पास लिख कर इतिलाएं भजते हैं परन्तु मारी इतिलाएं आप के पास पहुंचती ही नहीं हैं । इसलिए मेरी बात आप कृपया सुन तो लीजिये ।

**अध्यक्ष महोदय :** अब आप क्या कहना चाहते हैं ?

**श्री रामेश्वरानन्द :** यह गाजियाबाद के किसानों का मामला . . .

**अध्यक्ष महोदय :** आर्डर, आर्डर । अब आप बैठ जाइये ।

**श्री रामेश्वरानन्द :** मेरा भाव तो सुन लीजिए । मैं आप के आर्डर को मानता हूँ और मैं बैठ जाता हूँ । लेकिन मेरी बात आप सुन अवश्य लें ।

**अध्यक्ष महोदय :** नहीं स्वामी जी, वह मेरे पास नोटिस आ चुका है (Interruptions).

**श्री कछवाय (देवास) :** अब अगर आप नहीं सुनंगे तो फिर कौन सुनेगा ?

**श्री रामेश्वरानन्द :** अध्यक्ष महोदय, आप मेरी प्रार्थना तो सुन लीजिये ।

**अध्यक्ष महोदय :** अब आप बैठ जाइये ।

**श्री रामेश्वरानन्द :** मैं आप के कहने से बैठ गया । लेकिन मेरी बात तो सुन लीजिये । मैं आप को एक सूचना दे रहा हूँ . . .

**अध्यक्ष महोदय :** इस तरीके से आप हाउस में कोई बात नहीं ला सकते यह मैं रोज़ कहता हूँ। नोटिस मुबह आते हैं। इस मामले में नोटिस तीन, चार दफे आ चुके हैं और तीन, चार दफे मैं मैम्बरों से कह चुका हूँ कि वह मैंने नामज़ूर कर दिया है। इस हाउस को अधिकार नहीं कि उस में दखल दे। मेरे पास कल डा० लोहिया आये थे और मैंने उनको यह समझा दिया था। जो दूसरों के नोटिस आये थे उन को भी मैंने यही समझाने का यत्न किया है। अब बगैर नोटिस के हर रोज़ हर एक मैम्बर इस तरीके से हाउस में खड़ा हो कर बोलना शुरू कर देगा तो उस का नौरमल काम नहीं चल सकेगा। इसलिए स्वामी जी, अगर आप कोई नोटिस देना चाहते हैं तो मुझे लिख कर भेजें। अगर वह कायदे के मुताबिक होगा तो मैं उस को दाखिल कर लूंगा और मैं उसे हाउस में उठाने की इजाज़त दे दूंगा। लेकिन इस तरीके से इजाज़त नहीं दे सकता कि कोई मैम्बर जब उस के जी में आये किसी भी समय खड़ा हो कर कहना शुरू कर दे। इस मामले पर बहुत विचार हो चुका है और अब मैं उस की इजाज़त नहीं दे सकता।

**Some hon. Members rose—**

**अध्यक्ष महोदय :** अब तीन आदमी एक वक्त खड़े नहीं हो सकते हैं।

**श्री राम सेवक यादव :** अध्यक्ष महोदय, आप ने जो कहा मैं उसे बिल्कुल मानूंगा और वह हमें शिरोधार्य है। आप ने यह कहा कि यह केन्द्र का विषय नहीं है। इसी सम्बन्ध में मैं आप से निवेदन करना चाहता था कि संविधान का जो सातवां शैड्यूल है उस में जो सम्मिलित सूची है, ७०वीं लिस्ट . .

**अध्यक्ष महोदय :** अगर माननीय सदस्य यह मानते हैं कि मेरा यह कहना कि यह केन्द्र का विषय नहीं है और इस पर यहां बहस की इजाज़त नहीं दी जा सकती है, ग़लत है

तो वे मेरे पास चैम्बर में आये और मुझे इस बारे में बतलाये कि कैसे वह ग़लत है। यां बहस होता है फ़ैसला नहीं होता है। इसलिए माननीय सदस्य मेरे पास अभी जब मैं उठ कर जाऊंगा तब आ कर मुझे समझायें। कल भी मैंने लोहिया सा ब को कहा था कि अगर आप के पास कोई चीज है तो ले आइये मेरे पास जिस से आप मानते हैं कि यह पार्लियामेंट इस पर बहस कर सकती है। मैं उस पर गौर करने के लिए तैयार हूँ। मैं माननीय सदस्यों से दरख्वास्त करता हूँ कि अब इस को वह ख़त्म करें और हाउस का काम आगे चलने दें।

12.27 hrs.

#### PAPERS LAID ON THE TABLE

RICE MILLING INDUSTRY (REGULATION AND LICENSING) AMENDMENT RULES, 1963.

**The Deputy Minister in the Ministry of Food and Agriculture (Shri A. M. Thomas):** I beg to lay on the Table a copy of the Rice Milling Industry (Regulation and Licensing) Notification No. G.S.R. 1369 dated the 17th August, 1963, under sub-section (4) of section 22 of the Rice Milling Industry (Regulation) Act, 1958. [Placed in Library. See No. LT-1561/63].

INDIAN AIRCRAFT (SECOND AMENDMENT RULES, 1963

**The Deputy Minister in the Ministry of Transport and Communications (Shri Mohiuddin):** I beg to lay on the Table a copy of the Indian Aircraft (Second Amendment) Rules, 1963 published in Notification No. G.S.R. 1373 dated the 17th August, 1963, under section 14A of the Aircraft Act, 1934, together with an explanatory note. [Placed in Library. See No. LT-1562/63].